रोजगार लेने नहीं देने वाले बनें युवा : डॉ मोहन यादव

- इंदौर से युवा शक्ति को बड़ा संदेश- 2027 होगा युवाओं का वर्ष

नवभारत न्यूज़

इंदौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है और इसी ऊर्जा के बल पर देश हर क्षेत्र में नए विकास की इबारत लिख रहा है. उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे अपनी प्रतिभा, कौशल, नवाचार और उद्यमिता के दम पर विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में भागीदार बनें. मुख्यमंत्री शनिवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे.

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि वर्ष 2027 को मध्यप्रदेश में 'युवा वर्ष' के रूप में समर्पित किया जाएगा. उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य युवाओं को रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला उद्यमी बनाना है. इसके लिए कौशल विकास, स्टार्टअप, स्वरोजगार और उद्योगों से जुड़ी योजनाओं का विस्तार किया जा रहा है. भोपाल के ग्लोबल स्किल पार्क सहित विभिन्न संस्थानों के माध्यम से युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जा रहा है. डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के दो करोड़ से अधिक युवाओं की भागीदारी के बिना विकसित मध्यप्रदेश का सपना पूरा नहीं हो सकता. सरकार युवाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए हर संभव अवसर उपलब्ध करा रही है. उन्होंने युवाओं से बड़े लक्ष्य तय करने और नवाचार के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया.

मसौदा सौंपा -कॉन्क्लेव में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े युवाओं ने 'विकसित मध्यप्रदेश-2047' के लिए तैयार संकल्प-पत्र का मसौदा मुख्यमंत्री को सौंपा. इसमें शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, खेल, कृषि, एमएसएमई, पर्यटन और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों से जुड़े सुझाव शामिल हैं.

आर्थिक रूप से मजबूती-मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार होम-स्टे, मेडिकल शिक्षा ऋण, उद्योग स्थापना और रोजगार सृजन जैसी योजनाओं के माध्यम से युवाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बना रही है. उन्होंने राहवीर योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वालों को 25 हजार रुपये का प्रोत्साहन दिया जा रहा है. वहीं पीएम हेली सेवा और एयर एंबुलेंस जैसी सुविधाएं भी जरूरतमंदों के लिए उपलब्ध कराई जा रही हैं.

रैली को रवाना किया

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली भाबरा के लिए बाइक रैली तथा ओंकारेश्वर के लिए साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. उन्होंने स्वयं हेलमेट पहनकर बाइक पर सवार होकर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया.

युवाओं की भागीदारी-कॉन्क्लेव में युवाओं के स्टार्टअप, नवाचार, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, कला प्रदर्शनी और संवाद सत्र आकर्षण का केंद्र रहे, जहां बड़ी संख्या में युवा उद्यमियों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने भागीदारी की.

कांग्रेस पर साधा निशाना-युवाओं के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर तीखा निशाना साधा. उन्होंने कहा कि करीब 40 वर्ष पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने स्वयं स्वीकार किया था कि केंद्र से भेजे गए एक रुपये में से आम जनता तक केवल 15 पैसे ही पहुंच पाते हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने की व्यवस्था लागू की. उन्होंने कहा कि मोदी ने जन-धन योजना के तहत करोड़ों लोगों के लिए ज़ीरो बैलेंस वाले बैंक खाते खुलवाए और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से सरकारी सहायता की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचाई. इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंचने लगा.

मंत्रालय के गलियारे से

कब तक खाली रहेगा 5वीं मंजिल का कमरा

कन्हैया लोधी

मंत्रालय की पांचवीं मंजिल में यदि अफसरों को पोस्टिंग मिल जाए तो फिर उसका रसूख बढ़ जाता है. प्रदेश के ताकतवर अफसरों में उनकी गिनती होने लगती है, आखिर सरकार चलाने की बड़ी जिम्मेदारी उनके कंधे पर होती है, लेकिन इस मंजिल का एक कक्ष इन दिनों खाली पड़ा है. दरअसल यहां जो अफसर बैठता है, वह टिक नहीं पाता है. यहां स्थिति आया राम-गया राम की बनी हुईहै. यहां से कुछ समय पहले एक ताकतवर अफसर को नीचे की फ्लोर का रास्ता दिखा दिया गया था, तब से कोई दूसरा अफसर इ ऊपर वाले कक्ष में आने तैयार नहीं है. ऐसे में अब सवाल ये है कि पांचवीं मंजिल का ये कमरा कब तक खाली रहता है, ये देखने वाली बात होगी.

रिटायरमेंट से पहले काम पर लगा दिया

अपेक्षाकृत बेहद लूप लाइन माने जाने वाले एक विभाग के प्रमुख सचिव ने रिटायरमेंट से पहले मातहतों को काम पर लगा दिया है. दरअसल इस महकमे का मैदानी अमला कागजी खानापूर्ति में ज्यादा व्यस्त रहता है. जमीन पर यदि वाकई काम हो तो फिर प्रदेश की तस्वीर बदलने में देर नहीं लगेगी, लेकिन मैदानी अमला पुरानी जकड़न से बाहर आने आसानी से तैयार नहीं था. साहब ने मॉनीटरिंग का ऐसा सिस्टम बनाया कि सब लाईनअप हो गए. इससे मैदानी अमला उनसे कुछ नाराज भी है, अब पीएस साहब का रिटायरमेंट करीब है, तो कुछ विभागीय अफसर दिन गिनने में लग गए हैं.

विभाग की कारगुजारियां और मंत्री जी की सफाई

धन-धान्य से भरपूर एक विभाग के अमले की कारगुजारियों का खामियाजा विभाग के मंत्री को भुगतना पड़ रहा है. उन्हें अब सफाई देने की नौबत आ रही है. दरअसल अनाज को इधर से उधर करने में विभाग के अफसर कुछ ज्यादा ही उस्ताद निकल रहे हैं, वे कुछ ज्यादा ही इधर से उधर कर रहे हैं, ऐसा कि किसी को नजर ही नहीं आए, तब मामला उजागर हुआ तो फिर बचाव के रास्ते निकाले जा रहे हैं. गड़बड़ी भी अपने गृह जिला से जुड़ा हुआ है तो फिर सवाल और उठ रहे हैं. बताया जा रहा है कि अब पिछले वर्ष के आंकड़े देकर ये साबित किया जा रहा है कि ये गड़बड़ी नहीं है.

ड्रग और राजनीति

प्रदेश की राजनीति में ड्रग एक स्थायी मुद्दा बन गया है. प्रदेश में जब-तब अवैध ड्रग के मामले उजागर होते ही रहते हैं. कभी इधर के तो कभी उधर से सफेदपोशों से इन ड्रग कारोबार से जुड़े लोगों के आत्मीय संबंध उजागर होते ही रहते हैं, गलबहियां ऐसी कि क्या ही कहें. अब पिछले दिनों विपक्ष के एक नेताजी लपेटे में आ गए. आखिर उनके करीबी पर पुलिस ने हाथ धर दिया था, बस फिर क्या था, राजनीति की इंट्री तो होनी ही थी, सो हो गई, आरोप-प्रत्यारोप अभी पूरे शबाब पर है.

दतिया उपचुनाव में सख्त चुनावी निगरानी की मांग

विशेष संवाददाता

भोपाल, 11 जुलाई. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दतिया विधानसभा उपचुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग से कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी लगातार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास कर रही है. उन्होंने कहा कि आगामी उपचुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराया जाना चाहिए.

शनिवार को मीडिया से चर्चा करते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि

राज्यसभा चुनाव से लेकर विजयपुर विस उपचुनाव और हाल में दतिया में बने राजनीतिक घटनाक्रम तक लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने की एक श्रृंखला दिखाई देती है. उन्होंने आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधियों को अनुचित तरीके से पदों से हटाया गया और विधायकों को प्रभावित करने के प्रयास किए गए.

सेफ क्लिक 2.0 का असर, लाखों की ठगी की रकम भी बरामद

भोपाल (विशेष संवाददाता). मध्यप्रदेश पुलिस के राज्यव्यापी 'सेफ क्लिक 2.0' साइबर जागरूकता अभियान का सकारात्मक असर अब प्रदेशभर में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है. अभियान के दौरान नागरिकों को साइबर अपराधियों के नए-नए हथकंडों से सतर्क रहने का प्रशिक्षण दिया गया, जिसका परिणाम यह रहा कि कई लोगों ने समय रहते ठगी के प्रयासों को विफल कर दिया, वहीं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लाखों रुपये की ठगी की राशि भी बरामद की.

समन्वय से पटरी पर आएंगे सिंहस्थ के काम

- रेलवे के साथ जिला प्रशासन का हुआ संवाद
- सरकारी विभागों और रेलवे के बीच तालमेल ज़रूरी

नवभारत न्यूज

उज्जैन. सिंहस्थ की तैयारियों में रेलवे की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है. महाकुंभ के दौरान देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु रेलमार्ग के माध्यम से उज्जैन पहुंचेंगे. इसे देखते हुए रेलवे स्टेशन और उससे जुड़े मार्गों का उन्नयन, स्टेशन को राज्य शासन द्वारा विकसित की जा रही नई सड़कों से जोड़ना, रेलवे स्टेशन पर पर्याप्त जलापूर्ति व्यवस्था उपलब्ध कराना, यात्री सुविधाओं का विस्तार तथा अन्य आवश्यक अधोसंरचना विकसित करने जैसे कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं.

सिंहस्थ की तैयारियों को गति देने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्टर कार्यालय स्थित प्रशासनिक संकुल भवन में रेलवे विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक का मुख्य उद्देश्य रेलवे से जुड़े निर्माण कार्यों को अन्य विभागों की परियोजनाओं के साथ समन्वित करते हुए समय-सीमा में पूरा करना तथा निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न होने देना था. बैठक में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, रेलवे के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) पीयूष पाण्डेय, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, उज्जैन विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप सोनी सहित नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

दुर्घटना ना हो-रेलवे ट्रैक के समीप संचालित निर्माण कार्यों में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए. अधिकारियों से कहा गया कि जहां भी रेलवे क्षेत्र के निकट निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, वहां सुरक्षा बैरिकेडिंग (फेंसिंग) लगाकर ही कार्य किया जाए, ताकि निर्माण कार्य के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना या रेल संचालन में व्यवधान की स्थिति उत्पन्न न हो।

नियमित संवाद जरूरी

रेलवे लाइन के ऊपर और नीचे प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) तथा रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) के निर्माण कार्यों की प्रगति और तकनीकी पहलुओं की विस्तार से समीक्षा की गई. इन परियोजनाओं में रेलवे, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, उज्जैन विकास प्राधिकरण तथा विद्युत विभाग सहित कई एजेंसियां एक साथ कार्य कर रही हैं. ऐसे में यह आवश्यक है कि सभी विभाग नियमित संवाद बनाए रखें, तकनीकी समन्वय के साथ निर्णय लें और किसी भी स्तर पर समन्वय के अभाव के कारण विकास कार्य प्रभावित न हों.

बेहतर समन्वय पर जोर

नगर निगम, उज्जैन विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग और विद्युत विभाग से जुड़े कार्यों के साथ रेलवे परियोजनाओं के बेहतर समन्वय पर विशेष जोर दिया गया. अधिकारियों ने इस बात पर सहमति जताई कि समय-समय पर संयुक्त बैठकें आयोजित कर परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी और किसी भी तकनीकी या प्रशासनिक समस्या का त्वरित समाधान किया जाएगा.

देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा आयोजन -संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने कहा कि सिंहस्थ-2028 केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रदेश और देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा महाआयोजन है. इसे सफल बनाने के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा. उन्होंने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, सुरक्षा और निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि सिंहस्थ-2028 से पहले सभी परियोजनाएं पूर्ण होकर श्रद्धालुओं को बेहतर और सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें.

नाना पटवारी पर लगाए आरोप झूठे : युवती

- जोन-1 डीसीपी कार्यालय पहुंचकर दिया बयान
- पुलिस बोली- ड्रग्स नेटवर्क की जांच जारी

नव भारत न्यूज

इंदौर, 11 जुलाई. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी से जुड़े मामले में शनिवार को एक युवती जोन 1 डीसीपी कार्यालय पहुंची और पुलिस के समक्ष बयान दर्ज कराए. बयान के बाद युवती ने मीडिया से कहा कि उसने नाना पटवारी पर कभी कोई आरोप नहीं लगाए. उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं.

युवती ने कहा कि वह नाना पटवारी को पिछले चार पांच वर्षों से जानती है. इस दौरान उन्होंने उसके साथ कभी कोई गलत व्यवहार नहीं किया. मीडिया में यह कहा जा रहा है कि नाना युवतियों को ड्रग्स उपलब्ध कराते हैं या उन्हें नशे का आदी बनाते हैं, जबकि उसने ऐसा कभी नहीं देखा. युवती का कहना था कि वह लंबे समय से नाना के संपर्क में है, लेकिन उसने उन्हें शराब पीते तक नहीं देखा, ड्रग्स लेने या देने की बात तो बहुत दूर है. साजिश संबंधी सवाल पर उसने कहा कि उसे यह जानकारी नहीं है कि कौन उन्हें फंसाने की कोशिश कर रहा है. उल्लेखनीय है कि हाल ही में गुजरात के ड्रग्स तस्करों से पूछताछ के दौरान नाना पटवारी का नाम सामने आने के बाद पुलिस ने उनसे पूछताछ की थी. इसके बाद नाना पटवारी ने मीडिया के सामने आकर स्वयं पर लगे आरोपों से इनकार किया था. वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी पूरे घटनाक्रम को राजनीतिक द्वेष से जोड़ते हुए परिवार को निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया था

जांच अभी जारी है

नाना पटवारी से जुड़े मामले की जांच जारी है, गुजरात के ड्रग्स तस्करों से जुड़े कुछ तथ्य सामने आए हैं, जिनकी पुष्टि की जा रही है. मामले में विभिन्न लोगों के बयान लिए जा रहे हैं और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.
एडिशनल डीसीपी, राजेश दंडोतिया

दुष्कर्म मामले में तीन दोषियों को आजीवन कारावास

विशेष संवाददाता

भोपाल, 11 जुलाई. मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले में 10 वर्षीय मूक-बधिर बालिका से सामूहिक दुष्कर्म के जघन्य मामले में न्यायालय ने तीनों दोषियों को उनके प्राकृतिक जीवनकाल तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई है.

न्यायालय ने प्रत्येक दोषी पर 20-20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है तथा पीड़िता को नालसा पीड़ित प्रतिकर योजना-2018 के तहत पांच लाख रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान करने के निर्देश दिए हैं. पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने कहा कि यह फैसला महिलाओं, बालिकाओं एवं दिव्यांगजनों के विरुद्ध अपराधों के प्रति मध्यप्रदेश पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति और पीड़ित-केंद्रित, समयबद्ध कार्रवाई का परिणाम है.

गुमशुदगी के हर मामले में अब होगी अनिवार्य एफआईआर

विशेष संवाददाता

भोपाल, 11 जुलाई. मध्यप्रदेश पुलिस ने गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों को प्रत्येक गुमशुदगी के मामले में अनिवार्य रूप से प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने के निर्देश जारी किए हैं. यह व्यवस्था महिला और पुरुष, दोनों प्रकार के गुमशुदा व्यक्तियों पर समान रूप से लागू होगी.

पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में प्रदेश के सभी पुलिस आयुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, उप पुलिस महानिरीक्षकों तथा पुलिस अधीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा है. यह निर्णय जी. गणेश बनाम तमिलनाडु राज्य एवं अन्य मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए हालिया आदेश के अनुपालन में लिया गया है. इससे पहले वर्ष 2012 में बचपन बचाओ आंदोलन प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने केवल गुमशुदा बच्चों के मामलों में अनिवार्य एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था. अब यह व्यवस्था सभी गुमशुदा व्यक्तियों के मामलों पर लागू होगी.

तीन दिन हल्की बारिश से मिलेगी राहत

14 जुलाई से फिर तेज होगा मानसून एमपी में

40 से 50 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी

भोपाल, 11 जुलाई. मध्य प्रदेश में 11 से 13 जुलाई तक हल्की से मध्यम वर्षा का दौर जारी रहने की संभावना है. मौसम विभाग ने इस अवधि में कहीं भी भारी बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया है.

जिससे लगातार हो रही वर्षा से प्रभावित जनजीवन और खरीफ फसलों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है. मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार सक्रिय मानसूनी तंत्र फिलहाल कमजोर पड़ा है, जिसके कारण प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में रिमझिम बारिश होगी. भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर सहित सभी जिलों में गरज-चमक के साथ वर्षा और 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं.

> मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 14 जुलाई से पाकिस्तान के ऊपर सक्रिय हो रहा नया पश्चिमी विक्षोभ प्रदेश के मौसम को फिर प्रभावित करेगा. इसके प्रभाव से कुछ जिलों में भारी बारिश का नया दौर शुरू होने की संभावना है. विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल वर्षा की तीव्रता में आई कमी खरीफ फसलों के लिए लाभकारी रहेगी, क्योंकि लगातार बारिश के कारण कई क्षेत्रों में खेतों में जलभराव और फसलों के गलने का खतरा बढ़ गया था.

शराब कारोबारी के घर पर पथराव, दो वाहनों में तोड़फोड़

धार, 11 जुलाई. शहर में अज्ञात बदमाशों ने एक शराब कारोबारी के घर पर पथराव कर दो चार पहिया वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया. पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है.

पुलिस सूत्रों के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र की कैलाश नगर कॉलोनी स्थित शराब ठेकेदार विकास सिंह ठाकुर के निवास पर शुक्रवार देर रात कुछ बदमाश पहुंचे और घर पर पथराव कर पार्किंग में खड़े दो वाहनों को नुकसान पहुंचाया. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया.

शराब कारोबारी विकास सिंह ठाकुर ने आरोप लगाया कि सरदारपुर क्षेत्र में अवैध शराब सप्लाई करने वाला विशाल उर्फ सूरज ठाकुर इस घटना के पीछे हो सकता है. उनके अनुसार दो दिन पहले सरदारपुर स्थित उनकी शराब कंपनी के कार्यालय में भी विशाल ठाकुर और उसके साथियों ने तोड़फोड़ और मारपीट की थी. उस मामले में शिकायत की गई थी, लेकिन रिश्तेदारों के समझाने पर प्रकरण दर्ज नहीं कराया गया.

हंगामा | पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों का हिंसक प्रदर्शन

पथराव और चक्काजाम में 8 पुलिसकर्मी घायल

नवभारत न्यूज

ग्वालियर/दतिया, 11 जुलाई. भाजपा नेतृत्व दतिया में पूर्व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों द्वारा किए गए हिंसक प्रदर्शनों, चक्काजाम एवं इन घटनाओं में एसपी और एएसपी समेत आठ पुलिसकर्मियों के घायल होने की घटना के बाद डॉ. मिश्रा पर सख्त हो गया है.

भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने उन्हें आनन फानन में भोपाल तलब किया, जहां उन्हें अनुशासन की हद बताते हुए कड़ी नसीहत दी जा सकती है. हालांकि भोपाल पहुंचने के बाद डॉ मिश्रा ने कहा कि पार्टी के किसी बड़े नेता का उन्हें फोन

नहीं आया. पार्टी ने जो निर्णय लिया है, उसका मैं सम्मान करता हूं. नाराज कार्यकर्ताओं को मना लिया जाएगा. उन्होंने आश्वस्त किया कि उपचुनाव में सभी मिलकर काम करेंगे. इससे पूर्व आज शनिवार सुबह करीब 4:30 बजे नरोत्तम समर्थकों द्वारा किए पथराव में एसपी मयूर खंडेलवाल, एएसपी, एसडीओपी और आठ पुलिसकर्मी घायल हो गए. वहीं कुछ नरोत्तम समर्थक कार्यकर्ताओं के भी घायल होने की सूचना है. हालात बिगड़ने पर पुलिस ने एसएएफ की तीन कंपनियां एवं अतिरिक्त बल तैनात किया. सुबह कुछ समर्थकों ने भाजपा कार्यालय में खुद को बंद कर लिया था, जिन्हें बाद में प्रशासन की समझाइश के बाद बाहर निकाला गया.

संगठन प्रभारी के समक्ष लगे मुर्दाबाद के नारे: टिकट विवाद के बीच भाजपा के दतिया प्रभारी अभय प्रताप यादव शनिवार को दतिया पहुंचे. जब वे बात कर रहे थे, तभी कार्यकर्ता आशुतोष तिवारी मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे.

> वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दतिया उपचुनाव में भाजपा के भीतर चल रही नाराजगी पर कहा कि डॉ. नरोत्तम मिश्रा पार्टी के वरिष्ठ और समर्पित नेता हैं. संगठन के निर्णय का सम्मान करेंगे. उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा में टिकट घोषित होने के बाद उसे बदलने की परंपरा नहीं है. दतिया में भी उम्मीदवार बदलने की संभावना नहीं है.

प्रशासन ने पूरे जिले में लागू की धारा 163

गौरतलब है कि दतिया उपचुनाव में भाजपा ने संघ से सीधे जुड़े आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया है. बीती शाम यह खबर फैलते ही पूर्व गृह मंत्री डॉ. मिश्रा के समर्थक भड़क गए. उन्होंने हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. पूरे शहर में पथराव, चक्काजाम और पुलिस से झड़प शुरू हो गई. इसके बाद आज शनिवार सुबह प्रशासन ने पूरे जिले में धारा 163 लागू कर दी. इसके तहत बिना अनुमति किसी भी सभा, जुलूस, धरना-प्रदर्शन और सार्वजनिक आयोजन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. साथ ही 5 या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर भी रोक लगा दी गई है. बहरहाल, कोतवाली पुलिस ने 17 बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं पर एफआईआर दर्ज की है.

सिंधिया को बनाया दतिया क्षेत्र का मुख्य चुनाव प्रभारी

दतिया जिले में विधानसभा उपचुनाव और पार्टी की चुनावी तैयारियों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को दतिया क्षेत्र का मुख्य चुनाव प्रभारी बनाया है. इसके बाद सिंधिया ने दतिया के भाजपा नेताओं से बात की है.

पेज एक का शेष

भारत-न्यूजीलैंड के बीच दस समझौते

दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाते हुए 2030 के लिए एक रोडमैप जारी किया, जिसके तहत प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाया जाएगा. विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 35,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य तय किया और सहयोग, समन्वय तथा सूचना आदान-प्रदान को मजबूत करने के लिए समुद्री सुरक्षा संवाद स्थापित करने पर सहमति जताई. नई पहलों के तहत न्यूजीलैंड अवैध, अनियमित और बिना सूचना वाली मछली पकड़ने की गतिविधियों से निपटने के लिए हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) के समुद्री सुरक्षा स्तंभ में शामिल हुआ और सतत ऊर्जा परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में भी शामिल हो गया. दोनों देशों ने कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए कीवी फल कार्य योजना शुरू करने और नागालैंड तथा उत्तराखंड में कीवी फल के लिए दो उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की घोषणा की. इसके अलावा भारत के राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र और न्यूजीलैंड के कैंटरबरी विश्वविद्यालय के बीच अंटार्कटिक अनुसंधान में सहयोग की घोषणा की गई. कुंडली स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान और न्यूजीलैंड के मैसी विश्वविद्यालय के बीच अनुसंधान, शैक्षणिक आदान-प्रदान और छात्र गतिशीलता के लिए सहयोग ढांचे की भी घोषणा की गई.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60